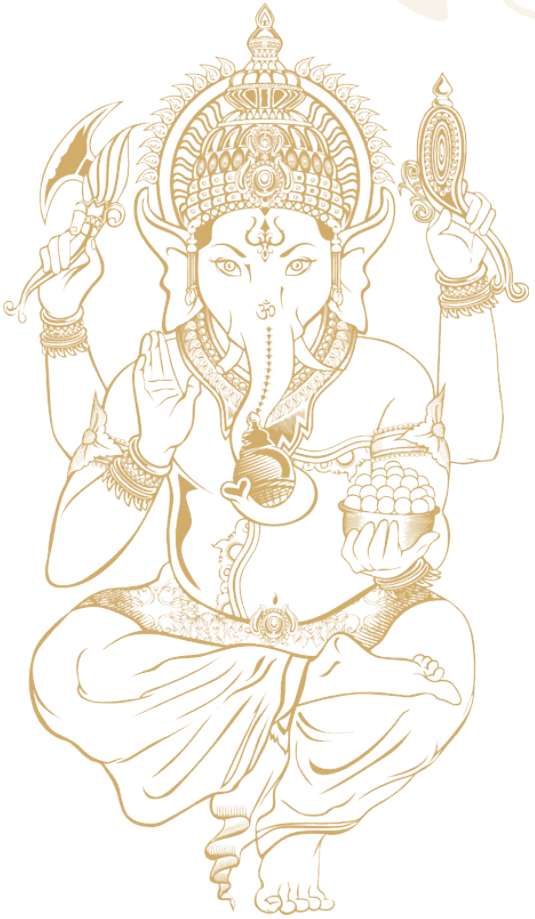

Bhargav

12 Mar 1988

01:35 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731210

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/03/1988**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:35:00 घंटे**
इष्ट	16:52:01 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:56:20 घंटे
वेलान्तर	-00:09:45 घंटे
साम्पातिक काल	00:17:05 घंटे
सूर्योदय	06:50:11 घंटे
सूर्यास्त	18:46:55 घंटे
दिनमान	11:56:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:16:30 कुम्भ
लग्न के अंश	18:52:45 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:52:45	321:08:34	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	28:16:30	00:59:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	09:31:43	13:55:59	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	19:03:45	00:40:31	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	01:16:36	01:09:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	07:04:55	00:12:45	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	12:52:34	01:06:05	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि			धनु	08:08:16	00:02:53	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु			कुंभ	29:24:08	00:00:12	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु			सिंह	29:24:08	00:00:12	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:06:57	00:01:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	16:15:00	00:00:59	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		तुला	18:41:07	00:00:54	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	10:57:44	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:34

लग्न-चलित

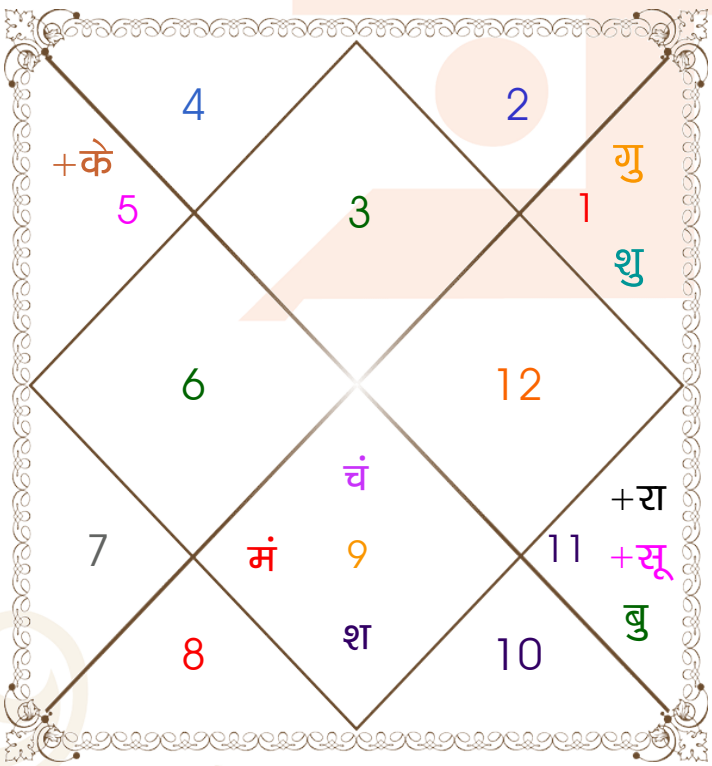

चन्द्र कुंडली

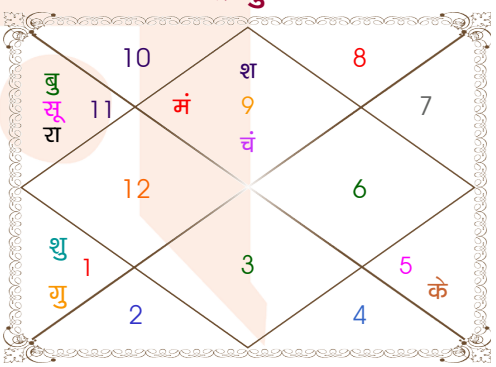

नवमांश कुंडली

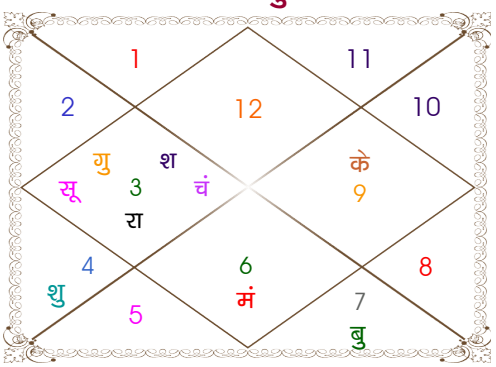

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/03/1988		12/03/1990		12/03/2010		11/03/2016		12/03/2026	
12/03/1990		12/03/2010		11/03/2016		12/03/2026		11/03/2033	
	00/00/0000	शुक्र	11/07/1993	सूर्य	29/06/2010	चंद्र	10/01/2017	मंगल	08/08/2026
	00/00/0000	सूर्य	11/07/1994	चंद्र	29/12/2010	मंगल	11/08/2017	राहु	26/08/2027
	00/00/0000	चंद्र	11/03/1996	मंगल	06/05/2011	राहु	09/02/2019	गुरु	01/08/2028
	00/00/0000	मंगल	11/05/1997	राहु	29/03/2012	गुरु	10/06/2020	शनि	10/09/2029
	00/00/0000	राहु	11/05/2000	गुरु	16/01/2013	शनि	10/01/2022	बुध	07/09/2030
	00/00/0000	गुरु	10/01/2003	शनि	29/12/2013	बुध	11/06/2023	केतु	03/02/2031
	12/03/1988	शनि	12/03/2006	बुध	04/11/2014	केतु	10/01/2024	शुक्र	04/04/2032
शनि	14/03/1989	बुध	10/01/2009	केतु	12/03/2015	शुक्र	10/09/2025	सूर्य	10/08/2032
बुध	12/03/1990	केतु	12/03/2010	शुक्र	11/03/2016	सूर्य	12/03/2026	चंद्र	11/03/2033

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/03/2033		12/03/2051		12/03/2067		12/03/2086		13/03/2103	
12/03/2051		12/03/2067		12/03/2086		13/03/2103		00/00/0000	
राहु	23/11/2035	गुरु	29/04/2053	शनि	15/03/2070	बुध	07/08/2088	केतु	09/08/2103
गुरु	17/04/2038	शनि	10/11/2055	बुध	22/11/2072	केतु	04/08/2089	शुक्र	08/10/2104
शनि	21/02/2041	बुध	15/02/2058	केतु	01/01/2074	शुक्र	04/06/2092	सूर्य	13/02/2105
बुध	11/09/2043	केतु	22/01/2059	शुक्र	02/03/2077	सूर्य	11/04/2093	चंद्र	14/09/2105
केतु	28/09/2044	शुक्र	22/09/2061	सूर्य	12/02/2078	चंद्र	10/09/2094	मंगल	10/02/2106
शुक्र	29/09/2047	सूर्य	11/07/2062	चंद्र	14/09/2079	मंगल	07/09/2095	राहु	01/03/2107
सूर्य	23/08/2048	चंद्र	10/11/2063	मंगल	22/10/2080	राहु	27/03/2098	गुरु	05/02/2108
चंद्र	21/02/2050	मंगल	16/10/2064	राहु	29/08/2083	गुरु	03/07/2100	शनि	13/03/2108
मंगल	12/03/2051	राहु	12/03/2067	गुरु	12/03/2086	शनि	13/03/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।